विराट वैभव
नई दिल्ली, मंगलवार, 15 सितम्बर 2020

साहित्य अकादेमी द्वारा 'हिंदी सप्ताह' के कार्यक्रमों का आयोजन प्रारंभ

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

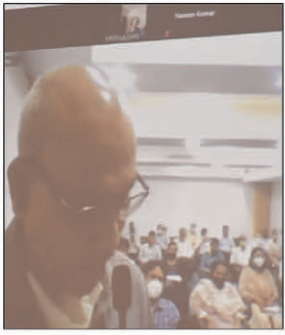

साहित्य अकादेमी में सोमवार को हिंदी दिवस के अवसर पर 'हिंदी सप्ताह' के कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम वर्चुअल स्क्रीन के जरिए आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रख्यात हिंदी लेखिका मृदुला गर्ग थी। उन्होंने कहा कि हिंदी को राष्ट्रभाषा यहां के आमजनों ने बनाया था लेकिन जब इसे राजभाषा बनाया गया तो हमने धीरे-धीरे इसकी गरिमा को कम आंकना शुरु कर दिया। एक भाषा जिसने पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधा आज उसके साहित्य को सम्मान देने वाले लोग कम होते जा रहे हैं। आगे उन्होंने कहा कि भाषा केवल भाषा नहीं होती बल्कि उसके साथ एक संस्कृति भी जुड़ी होती है।अतः राष्ट्रभाषा का सम्मान और उसका प्रयोग हमारे राष्ट्रीय प्रेम को प्रदर्शित करता है। वर्तमान समाज एक विदेशी भाषा के इस्तेमाल से अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहता है। जबकि राष्ट्रभाषा को प्रयुक्त करने वाला समाज आज भी सहज और संवेदनशील है। उन्होंने जापान आदि देशों के मातृभाषा प्रेम का उदाहरण देते हुए कहा कि हमें उनसे प्रेरणा लेकर अपनी राष्ट्रभाषा का इस्तेमाल करते समय गर्व महसूस करना होगा।तभी शायद हम इंडिया और भारत की दूरियों को कम कर सकेंगे। हिंदी बोलने से हम स्वयं ही विकसित नहीं होते बल्कि बहुआयामी संस्कृति और विचार के मालिक भी बनते हैं। कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी का स्वागत करते हुए साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि हिंदी राष्ट्रीय एकता की सूत्रधार है और केवल भाषा ही नहीं बल्कि एक संस्कृति भी है। साहित्य अकादेमी हिंदी के प्रचार-प्रसार और विकास में अपने हर संभव स्तर से प्रयास कर रही है। उन्होंने कार्यक्रम के प्रारंभ में सचिव (संस्कृति), भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय आनंद कुमार की अपील का पाठ किया जो उन्होंने हिंदी दिवस के अवसर पर मंत्रालय के सभी कार्यालयों को प्रेषित की थी। कार्यक्रम में सामाजिक दूरी का पालन करते हुए अकादेमी के कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर साहित्य अकादेमी की सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में पूरे सप्ताह विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

हिंदी केवल भाषा नहीं, संस्कृति है : मृदुला गर्ग

नई दिल्ली (एसएनबी)। साहित्य अकादमी में सोमवार को हिंदी दिवस के अवसर पर 'हिंदी सप्ताह' के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रख्यात हिंदी लेखिका मृदुला गर्ग थीं।

इस मौके पर मृदुला गर्ग ने कहा कि हिंदी को राष्ट्रभाषा यहां के आमजनों ने बनाया था, लेकिन जब इसे राजभाषा बनाया गया तो हमने धीरे-धीरे इसकी गरिमा को कम आंकना शुरू कर दिया।

एक भाषा जिसने पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधा, आज उसके साहित्य को सम्मान देने वाले लोग कम होते जा रहे हैं। उन्होंने जापान आदि देशों के मातृभाषा प्रेम का उदाहरण देते हुए कहा कि हमें उनसे प्रेरणा लेकर अपनी राष्ट्रभाषा का इस्तेमाल करते समय गर्व महसूस करना होगा। हिंदी बोलने से हम स्वयं ही विकसित नहीं होते, बल्कि बहुआयामी संस्कृति और विचार के मालिक भी बनते हैं। साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि हिंदी राष्ट्रीय एकता की सूत्रधार है और केवल भाषा ही नहीं, बल्कि एक संस्कृति भी है। साहित्य अकादमी हिंदी के प्रचार-प्रसार और विकास में हरसंभव प्रयास कर रही है। इस अवसर पर साहित्य अकादमी की सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में पूरे सप्ताह विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

हिंदी बोलने से हम बहुआयामी संस्कृति और विचार के मालिक बनते हैं : मृदुला गर्ग

साहित्य अकादमी में हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी सप्ताह में सोमवार को वर्चुअली कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लेखिका मृदुला गर्ग ने कहा कि हिंदी को राष्ट्रभाषा यहां के आमजनों ने बनाया था लेकिन जब इसे राज भाषा बनाया गया तो हमने धीरे-धीरे इसकी गरिमा को कम आंकना शुरू कर दिया। एक भाषा जिसने पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधा आज उसके साहित्य को सम्मान देने वाले लोग कम होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाषा केवल भाषा ही नहीं होती, उसके साथ एक संस्कृति भी जुड़ी होती है। अत: राष्ट्रभाषा का सम्मान और उसका प्रयोग हमारे राष्ट्रीय प्रेम को प्रदर्शित करता है। वर्तमान समाज एक विदेशी भाषा के इस्तेमाल से अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहता है। उन्होंने जापान आदि देशों के मातृभाषा प्रेम का उदाहरण देकर कहा कि हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए, तभी शायद हम इंडिया और भारत की दूरियों को कम कर सकेंगे। हिंदी बोलने से हम स्वयं ही विकसित नहीं होते बल्कि बहुआयामी संस्कृति और विचार के मालिक भी बनते हैं।

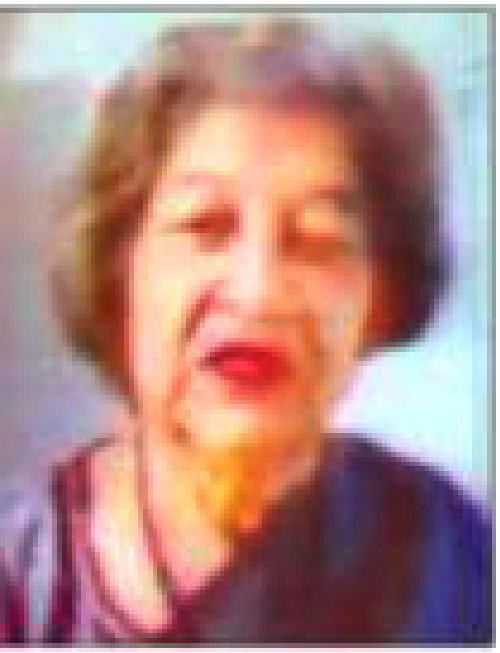

नवोदय टाइम्स
Tue, 15 September 2020
https://epaper.navodayatimes.in/